KENDRIYAVIDYALA SANGATHAN,CHENNAI REGION
CLASS XII-COMMON PRE-BOARD III EXAMINATION-2012-2013

Suject : Hindi(core) **Time Alloted : 3 Hours** **Max. Marks : 100**

****

खण्ड –क

1 निम्नलिखित काव्यांश को पढकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ः **1×5 =5**

चिड़िया को लाख समझाओ
कि पिंजड़े के बाहर
धरती बड़ी है निर्मम है
वहा हवा में उसे
अपने जिस्म की गंध तक नहीं मिलेगी ।
यूं तो बाहर समुद्र है नदी है झरना है
पर पानी के लिए भटकना है
यहा कटोरी में भरा जल गटकना है ।
बाहर दाने का टोटा है
यहा चुग्गा मोटा है ।
बाहर बहेलिए का डर है
यहा निर्द्वंद्व कंठ स्वर है ।
फिर भी चिड़िया मुक्ति का गाना गाएगी
मारे जाने की आशंका से भरे होने पर भी
पिंजड़े से जितना अंग निकल सकेगा निकालेगी
हरसूं ज़ोर लगाएगी
और पिंजड़ा टूट जाने या खुल जाने पर उड़ जाएगी ।

क पिंजड़े के बाहर का संसार निर्मम क्यों है
ख पिंजड़े के भीतर चिड़िया को क्या–क्या सुविधाए उपलब्ध है
ग कवि चिड़िया को स्वतंत्र जगत् की किन–किन वास्तविकताओं से अवगत कराना चाहता हे
घ बाहर सुखों का अभाव और प्राणों का संकट होने पर भी चिड़िया मुक्ति ही क्यों चाहती है
ङ कविता का संदेश स्पष्ट कीजिए ।

2 निम्नलिखित गद्यांश को पढकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ः

राष्ट्रीय भावना के अभ्युदय एवं विकास के लिए भाषा भी एक प्रमुख तत्त्व है । मानव समुदाय अपनी संवेदनाओं भावनाओं एवं विचारों की अभिव्यक्ति हेतु भाषा का साधन अपरिहार्यतः अपनाता है इसके अतिरिक्त उसके पास कोई अन्य विकल्प नहीं है ।दिव्य–ईश्वरीय आनन्दानुभूति के सम्बन्ध में भले ही कबीर ने 'गूंगे केरी शर्करा' उक्ति का प्रयोग किया था पर इससे उनका लक्ष्य शब्द–रूपा के महत्त्व को नकारना नहीं था । प्रत्युत उन्होंने भाषा को ' बहता नीर ' कहकर भाषा की गरिमा प्रतिपादित की थी ।

विद्वानों की मान्यता है कि भाषा तत्त्व राष्ट्रहित के लिए अत्यावश्यक है । जिस प्रकार किसी एक राष्ट्र के भूभाग की भौगोलिक विविधताए तथा उसके पर्वत सागर सरिताओं आदि की बाधाए उस राष्ट्र के निवासियों के परस्पर मिलने–जुलने में अवरोधक सिद्ध हो सकती है उसी प्रकार भी उनके पारस्परिक संबंधों में निर्बाधता नहीं रह पाती आधुनिक विज्ञानयुग में यातायात एवं संचार के साधनों की प्रगति से भौगोलिक बाधाए अब पहले की तरह बाधित नहीं करतीं ।

इसी प्रकार यदि राष्ट्र की एक संपर्क भाषा का विकास हो जाए तो पारस्परिक संबंधों के गतिरोध बहुत सीमा तक

समाप्त हो सकते हैं ।

मानव समुदाय को एक जीवित –जाग्रत एवं जीवन्त शरीर की संज्ञा दी जा सकती है और उसका अपना एक निश्चित व्यक्तित्त्व होता है। भाषा अभिव्यक्ति के माध्यम से इस व्यक्तित्त्व को साकार करती है उसके अमूर्त मानसिक वैचारिक स्वरूप को मूर्त एवं बिंबात्मक रूप प्रदान करती है ।

मनुष्यों के विविध समुदाय है उनकी विविध भावनाएँ विचारधाराएँ संकल्प एवं आदर्श हैं उन्हें भाषा ही अभिव्यक्त करने में सक्षम होती है ।साहित्य शास्त्र गीत–संगीत आदि में मानव –समुदाय अपने आदर्शों संकल्पानाओं अवधारणाओं एवं विशिष्टताओं को वाणी देता है पर क्या भाषा के अभाव में काव्य साहित्य संगीत आदि का अस्तित्व संभव है

वस्तुतः ज्ञानराशि एवं भावराशि का अपार संचित कोश जिसे साहित्य का अभिधान दिया जाता है शब्द रूप ही तो है । अतः इस संबंध में मतभेद की गुंजाइश ही नहीं हीं क भाषा ही एक ऐसा साधन है जिससे मनुष्य एक–दूसरे के निकट आ सकते हैं उनमें परस्पर घनिष्ठता स्थापित हो सकती है । यही कारण है कि एक भाषा बोलने एवं समझने वाले लोग परस्पर एकानुभूति रखते हैं । उनके विचारों में समानता रहती है । अतः राष्ट्रीय भावना के विकास के लिए भाषा परम आवश्यक है ।

क भाषा के बारे में मानव –समुदाय क्या सोचता है **2**

ख भाषा तत्त्व के विना किसका अस्तित्व संभव नहीं और क्यों **2**

ग साहित्य के लिए किन विशेषण पदों का प्रयोग हुआ है **2**

घ राष्ट्रीय भावना के विकास के लिए भाषा तत्त्व क्यों आवश्यक है **2**

ङ भाषागत विविधता के बावजूद राष्ट्रीय भावना का विकास कैसे संभव हो सकता है **2**

च] भाषा बहता नीर है ... क्या अर्थ हो सकता है **1**

छ प्रत्यय बताइए ः ईश्वरीय भौगोलिक **1**

ज विलोम बताइए ः आधुनिक सक्षम **1**

झ पर्याय बताइए ः नीर **1**

ञ गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए । **1**

खण्ड –ख

3 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए । **5**

क भ्रष्टाचार ः एक सामाजिक रोग

ख पर्यटन का महत्त्व

ग परीक्षा की तैयारी

घ एक नदी की आत्मकथा

4 दैनिक जागरण के संपादक को पत्र लिखिए जिसमें वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए कोई सुझाव भी दिया गया हो ।

अथवा **5**

दूरदर्शन पर प्रसारित अच्छे कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए दुरदर्शन के निदेशक को पत्र लिखिए ।

5 अ **छात्र और बिजली संकट** अथवा **डॉक्टरों की हड़ताल** विषय पर एक आलेख लिखिए । **5**

आ संक्षेप में उत्तर दीजिए ः **1×5=5**

क संचार माध्यम से आप क्या समझते हैं

ख) हेड लाइन क्या है ?

ग) फ्रीलांसर पत्रकार किसे कहते हैं ?

घ) विशेष लेखन से क्या तात्पर्य है ?

ङ) खोजपरक पत्रकारिता से आप क्या समझते हैं ?

6. **मोबाइल के सुख –दुःख** अथवा **दसवीं में बोर्ड परीक्षा हुई वैकल्पिक** विषय पर फीचर लिखिए । **5**

खण्ड – ग

7. निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ः **2×4 = 8**

सुत वित नारि भवन परिवारा । होहिं जाहिं जग बारहिं बारा ।।
अस बिचारी जियँ जागहु ताता । मिलइ न जगत सहोदर भ्राता।।
जथा पंख बिनु खग अति दीना । मनि बिनु फनि करिबर कर हीना ।।
अस मम जिवन बंधु बिनु तोही । जौं जड़ दैव जिआवैं मोही ।।
जैहऊँ अवध कवन मुहु लाई । नारि हेतु प्रिय भाइ गवाँई।।
बरू अपजस कहतेऊँ जग माहीं । नारि हानि बिसेष छति नाहीं ।।
अब अपलोक सोकु सुत तोरा ।सहिहि निठुर कठोर उर मोरा ।।

क) उक्त काव्यांश के अनुसार क्या–क्या दोबारा मिल सकता है और क्या नहीं ?

ख) भाई के बिना जीवन की तुलना किनसे की गई है और क्यों ?

ग) काव्यांश के आधार पर राम के व्यक्तित्त्व पर टिप्पणी कीजिए।

घ) जैहऊँ अवध कवन मुहु लाई ... भाव स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

तुम्हें **भूल जाने की**
दक्षिण ध्रुवी अंधकार –**अमावास्या**
शरीर पर चेहरे पर **अंतर** में **पा लूँ**
झेलूँ उसी में **नहा लूँ**
इसलिए कि तुमसे ही परिवेष्टित आच्छादित
रहने का रमणीय यह उजेला अब
सहा नहीं जाता है ।

क) काव्यांश में अंधकार –अमावास्या के लिए किस विशेषण का प्रयोग है और उस प्रयोग से विशेष्य के अर्थ में क्या विशेषता आती है ?

ख) कवि ने व्यक्तिगत संदर्भ में किस स्थिति को अमावास्या कहा है ?

ग) भाव स्पष्ट कीजिए ... तुमसे ही परिवेष्टित आच्छादित रहने का रमणीय यह उजेला अब सहा नहीं जाता है

घ) कवि अपने संबोधित प्रिय को पुरी तरह भूल जाना चाहता है इस बात को प्रभावी ढ़ंग से से व्यक्त करने के लिए क्या युक्ति अपनाई है ? रेखांकित अंशों को ध्यान में रखकर उत्तर दीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ः **2×3 = 6**

अशनि –पात से शापित उन्नत शत–शत वीर ?
क्षत–विक्षत हत अचल –शरीर ?
गगन–स्पर्शी स्पर्द्धा धीर ।

हँसते हैं छोटे पौधे लघुभार ...
शस्य अपार□
हिल–हिल
खिल–खिल □
हाथ हिलाते □
तुझे बुलाते □
विप्लव – रव से छोटे ही हैं शोभा पाते ।

□क□ भाव स्पष्ट कीजिए ः विप्लव – रव से छोटे ही हैं शोभा पाते ।
□ख□ पर्वत के लिए जिन विशेषणों का प्रयोग है उनका सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।
□ग□ वज्रपात करने वाले भीषण बादलों का छोटे पौधे कैसे आह्वान करते हैं और क्यों □

अथवा

प्रातः नभ था बहुत नीला शंख जैसे
भोर का नभ
राख से लीपा हुआ चौका
□अभी गीला पड़ा है □
भहुत काली सिल ज़रा लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो
स्लेत पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी नेनील जल मेम् या किसी की
गोर झिलमिल देह ज
जैसे हिल रही हो ।
और ...
जादू टूटता है इस उषा का अव
सूर्योदय हो रहा है ।

□क□ कविता में प्रयुक्त उपमानों का उल्लेख कीजिए ।
□ख□ बिंबात्मक के प्रयोग से कविता में क्या विशेषता आ गई है □समझाइए ।
□ग□ कविता की दो भाषागत विशेषताओं की चर्चा कीजिए ।

9□ निम्नलिखित में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए ः **3+3□6**

□क□ कवि तथा कविता का उल्लेख करते हुए इस अंश को समझाइए ...
छतों को भी नरम बनाते हुए
दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए ।
□ख□ मैं और ,और जग और कहाँ का नाता ... आत्मपरिचय कविता से अवतरित इस पंक्ति में निहित 'और' शब्द की विशेषता को समझाइए ।
□ग□ **रस का अक्षय पात्र** प्रयोग से छोटा मेरा खेत कविता में कवि ने रचनाकर्म की किन विशेषताओं की और इंगित किया है □

10□नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ः **2+2+2+2**□**8**

श्रम विभाजन की दृष्टि से भी जाति –प्रथा गंभीर दोषों से युक्ता हे । जाति –प्रथा का श्रम विभाजन मनुष्य की स्वेच्छा पर निर्भर नहीं रहता । मनुष्य की व्यक्तिगत भावना तथा व्यक्तिगत रूचि का इसमें कोई स्थान अथवा महत्त्व नहीं रहता । ' पूर्व लेख ' ही इसका आधार है । इस आधार पर हमें यह स्वीकार करना पड़ेगा कि आज के उद्योगों में गरीबी और उत्पीड़न इतनी बड़ी समस्या नहीं जितनी यह कि बहुत से लोग ' निर्धारित' कार्य को 'अरूचि' के साथ केवल विवश्तावश करते हैं । ऐसी स्थिति स्वभावतः मनुष्य को दुर्भावना से ग्रस्त रहकर टालू काम करने और कम काम करने के लिए प्रेरित करय्ती है । ऐसी स्थिति में जहा□काम करनेवालों का दिल न लगता हो न दिमाग़ □कोई कुशलता कैसे प्राप्त की जा सकती है । अतः यह निर्विवाद रूप से सिद्ध हो जाता है कि आर्थिक पहलू से भी जाति –प्रथा हानिकारक प्रथा है क्योंकि यह मनुष्य की स्वाभाविक प्रेरणारूचि व आत्म –शक्ति को दवा कर उन्हें अस्वाभाविक नियमों में जकड़ कर निष्क्रिय वना देती है ।

□क□श्रम विभाजन की दृष्टि से जाति –प्रथा क्यों दोषपूर्ण है □
□ख□पूर्व –लेख से क्या तात्पर्य है □
□ग□लेखक किस वात को सबसे बड़ी समस्या मानता है □
□घ□आर्थिक पहलू से भी जाति –प्रथा हानिकारक प्रथा है... कैसे ? समझाइए ।

अथवा

बाज़ार में एक जादू है । वह जादू आ□की राह काम करता है □वह रूप का जादू है पर जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है □से ही इस जादू की भी मर्यादा है । जेव भरी हो □और मन खाली हो □ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है। जेव खाली पर मन भरा न हो तो भी जादू चल जाएगा । मन खाली है तो वाज़ार की अनेकानेक चीज़ों का निमंत्रण उस तक पहु□जाएगा । कहीं हुई उस वक्त जेब भरी तो फिर मन किसकी मानने वाला है □मालूम होता है यह भी लू□□ वह भी लू□सभी सामान ज़रूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है ।पर यह सब जादू का असर है । जादू की सवारी उतरी कि पता चलता है कि फैंसी चीज़ों की बहुतायत आराम में मदद नहीं देती □बल्कि खलल ही डालती है ।

□क□बाज़ारके जादू को ' रूप का जादू ' क्यों कहा गया है ?
□ख□' जेव भरी हो और मन खाली हो ' का आशय स्पष्ट कीजिए ।
□ग□बाज़ार का जादू किस तरह के व्यक्तियों पर अधिक असर करता है □
□घ□जादू का असर जाने पर व्यक्ति को क्या अहसास होने लगता है □

11□निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए ः **3**□**4**□**12**

□क□इंदर सेना सबसे पहले गंगा मैया की जय क्यों वोलती है □नदियों का भारतीय सामाजिक □सांस्कृतिक परिवेश में क्या महत्त्व है □काले मेघा पानी दे पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए ।
□ख□ढोलक की आवाज़ का पूरे गा□पर क्या असर था □पहलवान की ढोलक पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए ।
□ग□जीवन की जद्दोजहद ने चार्ली के व्यक्तित्त्व को संपन्न कैसे बनाया □
□घ□हाय ,वह अवधूत आज कहाँ है ! ' ऐसा कह कर लेखक ने आत्मवल पर देह – बल के वर्चस्व की वर्तमान सभ्यता के संकट की ओर संकेत किया है. । कैसे □
□ङ□नमक ले जाने के वारे में सफिया के मन में उठे द्वंद्व के आधार पर उसकी चारित्रिक विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

12. पूरक पुस्तक वितान के आधार पर इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए ः **3+2=5**

(क) ' समहाऊ इंप्रापर ' वाक्यांश का प्रयोग यशोथर बाबू लगभग हर वाक्य के प्रारंभ में **तकिया कलाम** की तरह करते हैं । इस वाक्यांश का उनके व्यक्तित्व और कहानी के कथ्य से क्या संबंध बनता है ?

(ख) ऐन की डायरी के अंश से प्राप्त होने वाली दो महत्त्वपूर्ण जानकारियों का उल्लेख कीजिए ।

13. संभवतः पुरूषों ने औरतों पर शुरू से इस आधार पर शासन करना शुरू किया कि वे उनकी तुलना में शारीरिक रूप से ज़्यादा सक्षम हैं । पुरूष ही कमाकर लाता है, बच्चे पालता -पोसता है और जो मन में आए करता है, लेकिन हाल ही में स्थिति बदली है । औरतें अब तक इन सबको सहती चली आ रही थी, जो कि उसकी बेवकूफ़ी ही थी । चूंकि इस प्रथा को जितना अधिक ज़ारी रखा गया, यह उतनी ही गहराई से अपनी जड़ें जमाती चली गई। सौभाग्य से शिक्षा, काम तथा प्रगति ने औरतों की आँखें खोली हैं ।कई देशों में तो उन्हें बराबरी का हक दिया जाने लगा है । कई लोगों ने, कई औरतों ने और केछेक पुरूषों ने अब भी इस बात को महसूस किया है कि इतने लंबे अरसे तक इस तरह की वाहियात स्थिति को झेलते चले जाना गलत था । आधुनिक महिलाए पूरी तरह स्वतंत्र होने का हक चाहती है ।

(क) आपके विचार से औरतों को समाज में पुरूषों से कम क्यों समझा गया ? **1**

(ख) वर्तमान स्थिति में औरतों में क्या परिवर्तन आया है ? **2**

(ग) आधुनिक महिलाएँ पूरी तरह स्वतंत्र होने का हक चाहती है... इससे समाज में क्या परिवर्तन आ सकता है ? **2**

14. सिंधु - सभ्यता को जल -संस्कृति भी कहा जा सकता है ... तर्क सहित उत्तर दीजिए ।

अथवा **5**

' डायरी के पन्ने ' पाठ के आधार पर बताइए कि ऐन की डायरी एक ऐतिहासिक दौर का दस्तावेज़ है ।